



महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल म.प्र.  
(म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग )  
आर-24 जौन -1 एम.पी.नगर, भोपाल  
फोन नं.- 0755-2576209

ई मेल-[maharshipatanjali2014@gmail.com](mailto:maharshipatanjali2014@gmail.com)

क्रं.एफ-म.प.सं.सं./अनुदान/2018/1754  
प्रति,

भोपाल, दिनांक 30/7/2018

आयुक्त,  
जनसम्पर्क, संचालनालय,  
म.प्र. भोपाल

विषय:- संस्थान का विज्ञापन प्रकाशित किये जाने बावत्।

महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान म.प्र. भोपाल के द्वारा वर्ष-2017-18 में वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रण नोटिस प्रसारित किया जाना है। जिसका प्रारूप सलंगन है।

अतः राज्य स्तर के दो समाचार पत्रों में उक्त पत्रों में उक्त आमंत्रण नोटिस प्रकाशित किये जाने का कष्ट करें।

सलंगन- उपरोक्तानुसार

निदेशक

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, म.प्र.  
भोपाल



महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल म.प्र.  
(म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग )  
आर-24 जोन -1 एम.पी.नगर, भोपाल  
फोन नं.- 0755-2576209

ई-मेल-maharshipatanjali2014@gmail.com

वेबसाइट-mpssbhopal.org

क्रं.एफ-म.प.सं.सं./सम्बद्धता/2018/1755

भोपाल, दिनांक 30/7/2018

## विज्ञापन

### विषय- वर्ष 2018-19 की वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रण नोटिस।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत म.प्र. राज्य में संस्कृत तथा उसके साहित्य के अध्ययन क्षेत्र में अनुसंधान और व्यापक अध्ययन को अग्रसर करने के प्रयोजन हेतु संचालित है। संस्कृत भाषा और साहित्य में सन्निहित ज्ञान, विज्ञता और दृष्टि शक्ति का प्रसार कर और इसके अध्ययन से सम्बंध स्कूल शिक्षा प्रणाली को प्रात्साहित, एवं प्रोन्नत करना संस्थान के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। संस्थान द्वारा ऐसे प्रयोजनों के लिये ऐसी संस्थाओं को जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिये सहायक हो वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान की जाती है।

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संस्थान से सम्बद्धता प्राप्त शासकीय/अशासकीय विद्यालयों से निम्नलिखित कार्यों के लिये वित्तीय सहायता अनुदान हेतु वर्ष 2018-19 के लिये विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। विहित प्रपत्र संस्थान की वेबसाइट **mpssbhopal.org** पर डाउनलोड किया जा सकता है

1. महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान से सम्बद्धता प्राप्त शासकीय एवं परम्परागत/प्राच्य अशासकीय संस्कृत विद्यालयों को अधोसंरचना विकास हेतु प्रति विद्यालय 50 लाख की वित्तीय सहायता।

नोट- वे ही संस्थाएं आवेदन करें जिनको वर्ष 2018-19 के लिये महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान से उत्तर मध्यमा स्तर (12वी) तक सम्बद्धता प्राप्त है।

संस्थान की वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड कर अपेक्षित मापदण्ड के अभिलेखों के साथ दिनांक 29 Sept 2018 तक संस्थान के पते "महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान आर-24 जोन-1 एम. पी.नगर म.प्र. पिन.कोड 462021" पर भेजना सुनिश्चित करें। दिनांक 29 Sept 2018 के पश्चात् प्राप्त आवेदन मान्य नहीं होंगे।

निदेशक

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, म.प्र.  
भोपाल

**महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान न.प्र. भोपाल**  
**महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान से सम्बद्धता प्राप्त संस्थाओं को 50 लाख की**  
**वित्तीय सहायता हेतु मापदण्ड परिशिष्ट- अ**

1. संस्कृत विद्यालय का नाम.....
2. पूर्ण पता ग्राम.....पो.....तह.....जिला.....
3. प्राचार्य/प्रभारी का नाम.....मूल पद.....मो.नं.....
4. प्रबंधक का नाम(केवल अशासकीय विद्यालयों के लिये).....मो.नं.....
5. विद्यालय का स्तर कक्षा .....से कक्षा .....तक
6. राष्ट्रीयकृत बैंक का नाम एवं शाखा का पूर्ण पता.....
7. बैंक खाता क्रं.....आई.एफ.एस.सी.....
8. बैंक खाता संचालन किस नाम से संचालित .....

000

9. विद्यालय महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान से सम्बद्धता का आदेश संलग्न करें।
10. अशासकीय विद्यालय प्राच्य/परम्परागत पद्धति से संचालित होना चाहिये। (शासकीय के लिए यह लागू नहीं है) का प्रमाण।
11. विद्यालय में प्राच्य/परम्परागत पद्धति से अध्यापन हेतु समस्त विषयों के शिक्षक संस्कृत योग्यताधारी होना चाहिये। प्रमाण हेतु शिक्षकों की सूची निम्नानुसार प्रारूप में संलग्न करें।

| क्रं. | नाम | पद | अध्यापन का विषय | नियुक्ति दिनांक | शैक्षणिक योग्यता |
|-------|-----|----|-----------------|-----------------|------------------|
|       |     |    |                 |                 |                  |

12. पर्याप्त भूमि उपलब्ध होना चाहिये—
  1. भूमि/भवन के स्वामित्व/किराये नामा की पंजीकृत छायाप्रति तथा सम्पूर्ण भवन की फोटो
  2. भूमि/भवन के स्वामित्व की खसरा नकल, नक्शा, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत द्वारा प्रमाणित
  3. वर्तमान शाला भवन यदि किराए पर है तो पंजीकृत अथवा नोटराईज्ड किराएनामे की छायाप्रति
13. सभी विषयों का संस्कृत माध्यम में अध्ययन/अध्यापन अनिवार्य है। का प्रमाण
14. प्रातः एवं सायं के समय संध्या, वंदन उपासना, योग व्यायाम, क्रीडा, दैनंदिन कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों में संस्कृतमय वातावरण स्पष्ट दर्शित हो एवं विद्यालय के आसपास के क्षेत्र में भी विद्यालय की प्राच्य परम्परा का अनुभव आम जनमानस में प्रभाव हो का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।
15. विद्यार्थियों के आवास, भोजन, अध्ययन की प्राकृतिक वातावरण में सुरुचिपूर्ण व्यवस्था का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।
16. विद्यार्थियों में कलात्मक अभिरुचि विकसित करने के लिये विविध कलाओं का अभ्यास का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।

17. संचालित कक्षाओं के गत तीन वर्षों का परीक्षा परिणाम 50 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए ।

| वर्ष    | (कक्षा % में) |            |            |             |
|---------|---------------|------------|------------|-------------|
|         | कक्षा 5वी     | कक्षा 8 वी | कक्षा 10वी | कक्षा 12 वी |
| 2014-15 |               |            |            |             |
| 2015-16 |               |            |            |             |
| 2016-17 |               |            |            |             |

18. संस्कृत भाषा गुणवत्ता संवर्धन हेतु किये गये प्रयास/श्रेणीवार/कार्यशाला की जानकारी ।  
19. विद्यार्थियों को संस्कृत संभाषण हेतु किये गये प्रयास/गतिविधियों की जानकारी ।  
20. विद्यालय में छात्र संख्याँ-

| क्रं. | प्रवेशिका<br>1से 5 | प्रथमा<br>6 से 8 | पूर्वमध्यमा<br>9, 10 | उत्तरमध्यमा<br>11, 12 | कुल योग |
|-------|--------------------|------------------|----------------------|-----------------------|---------|
|       |                    |                  |                      |                       |         |

21. जिस कार्य हेतु वित्तीय सहायता चाहते हैं उसकी डी.पी.आर.(सम्पूर्ण प्रोजेक्ट योजना) एवं आवश्यकता का प्रतिवेदन-:

1. आवश्यकता का प्रतिवेदन ।
2. डी.पी.आर का विवरण ।
3. शासन की प्राधिकृत ऐजेन्सी से निर्माण/नक्शे की अनुमति ।
4. निर्माण हेतु सक्षम अधिकारी की अनापत्ति ।
5. निर्माण ऐजेन्सी का विवरण एवं अनुभव ।

संस्था प्राचार्य  
हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा

### जिला शिक्षा अधिकारी की अनुशंसा

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन पत्र में वर्णित उपरोक्त सभी जानकारियों सही पायी गई मै विद्यालय .....जिला..... को विद्यालय की अधोसंचना के विकास हेतु वित्तीय सहायता की अनुशंसा करता हूँ।

स्थान.....

दिनांक.....

जिला शिक्षा अधिकारी  
हस्ताक्षर.....  
नाम.....  
पदमुद्रा.....

महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान से सम्बद्धता प्राप्त संस्थाओं को अधोसंरचना विकास हेतु 50 लाख की वित्तीय सहायता हेतु मापदण्ड

1. समिति का पंजीयन रजिस्ट्रार एवं फर्म सोसायटी द्वारा जारी प्रमाण पत्र की प्रति
2. समिति की प्रमाणित नियमावली (रजिस्ट्रार एवं फर्म सोसायटी द्वारा जारी)
3. प्रबंध समिति के सदस्यों की सूची (धारा 27) की प्रमाणित छायाप्रति जो अध्ययन स्थिति की हो।
4. अध्यापन हेतु कार्यरत शिक्षकों की योग्यता एवं नियुक्ति दिनांक सहित निम्नानुसार जानकारी सहित (संस्कृत योग्यताधारी, शास्त्री/आचार्य सहित) आवेदन में उल्लेख अनुसार
  - (अ) प्रवेशिका हेतु शिक्षक/शिक्षिका उ.म. योग्यताधारी
  - (ब) प्रथमा एवं पूर्वमध्यमा हेतु शिक्षक/शिक्षिका शास्त्री/आचार्य योग्यताधारी
  - (स) उत्तरमध्यमा हेतु शिक्षक/शिक्षिका आचार्य/एम.ए. (संस्कृत) योग्यताधारी
5. भूमि/भवन के स्वामित्व/किराये नामा की पंजीकृत छायाप्रति तथा सम्पूर्ण भवन की फोटो
6. भूमि/भवन के स्वामित्व की खसरा नकल, नक्शा, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत द्वारा प्रमाणित
7. वर्तमान शाला भवन यदि किराए पर है तो पंजीकृत अथवा नोटराईज्ड किराएनामे की छायाप्रति
8. वर्तमान शाला भवन के नक्शे की प्रमाणित छायाप्रति नगर निगम, नगर पालिका अथवा ग्राम पंचायत द्वारा।
9. जिला शिक्षा अधिकारी का अभिमत सहित निरीक्षण प्रतिवेदन
10. जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा देय विभागीय अनुमति की प्रमाणित प्रति
11. प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण व सामग्री की प्रमाणित प्रति
12. अंतिम आडिट रिपोर्ट की प्रमाणित छायाप्रति (सोसाईटी की) तीन वर्षों की
13. शाला के खेल मैदान की जानकारी के संबंध में प्रमाणित अभिलेख
14. कक्षावार छात्र संख्या
15. कक्षावार समय विभाग चक्र
16. शिक्षकवार समय विभाग चक्र
17. निःशक्तजनों को वांछित सुविधाओं के संबंध में संस्था का स्वयं का प्रमाण पत्र
18. भवन के पोस्टकार्ड साइज के दो रंगीन फोटो संलग्न है।

19. सभी विषयों का संस्कृत माध्यम में अध्ययन / अध्यापन अनिवार्य है।
20. प्रातः एवं सायं के समय संध्या, वन्दन उपासना, योग व्यायाम, क्रीडा, दैनंदिन कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियों में संस्कृतमय वातावरण स्पष्ट दर्शित हो एवं विद्यालय के आसपास के क्षेत्र में भी विद्यालय की प्राच्य परम्परा का अनुभव आम जनमानस में प्रभाव हो का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।
21. विद्यार्थियों के आवास, भोजन, अध्ययन की प्राकृतिक वातावरण में सुरुचिपूर्ण व्यवस्था का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।
23. विद्यार्थियों में कलात्मक अभिरुचि विकसित करने के लिए विविध कलाओं का अभ्यास का प्रमाण (डी.व्ही.डी.) में।
24. आवसीय संस्कृत विद्यालय में भी आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कक्षाएँ तथा कम्प्यूटर प्रयोगशाला, ई-लाइब्रेरी स्मार्ट क्लास की उपलब्धता।
25. संचालित कक्षाओं के गत तीन वर्षों का परीक्षा परिणाम।
26. संस्कृत भाषा गुणवत्ता संवर्धन हेतु किये गये प्रयास / श्रेणीवार / कार्यशाला की जानकारी।
27. विद्यार्थियों को संस्कृत संभाषण हेतु किये गये प्रयास / गतिविधियाँ।
28. जिस कार्य हेतु वित्तीय सहायता चाहते हैं उसकी डी.पी.आर. (सम्पूर्ण प्राजेक्ट योजना) एवं आवश्यकता का प्रतिवेदन—:
  1. आवश्यकता का प्रतिवेदन।
  2. डी.पी.आर का विवरण।
  3. शासन की प्राधिकृत ऐजेन्सी से निर्माण / नक्शे की अनुमति।
  4. निर्माण हेतु सक्षम अधिकारी की अनापत्ति।
  5. निर्माण ऐजेन्सी का विवरण एवं अनुभव।
29. महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा जारी नवीन सम्बद्धता / सम्बद्धता नवीनीकरण का आदेश की छायाप्रति।